

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, चक्राता वन प्रभाग, चक्राता।

पंत्रांक-621/12-1 दिनांक, चक्राता २६ अगस्त 2015

सेवा में

अतिआवश्यक / समयबद्ध

अधिशासी अभियन्ता,
अस्थाई खण्ड, लो०नि०वि०,
सहिया

विषय:-

जनपद-देहरादून के अन्तर्गत शम्भु की ढीकी से दर्ज-पंजिया-वनसार-तुरउ तक विस्तार किमी २ से ११ तक मार्ग निर्माण हेतु 1.8536 है० वनभूमि लो०नि०वि० को हस्तान्तरण।

संदर्भ :-

१-वन संरक्षक, यमुना वृत्त, उत्तराखण्ड, देहरादून का पंत्रांक-624/12-1(1)
दि० 24.08.2015

२-प्रस्ताव संख्या-FP/UK/Road/10464/2015

महोदय,

उपरोक्त संलग्न संदर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें। जिसमें वन संरक्षक, यमुना वृत्त, उत्तराखण्ड ने विषयगत प्रस्ताव में आपत्तियों के निराकरण करने हेतु लिखा गया है, के सम्बन्ध में अवगत कराना है वौछित सूचना आपके स्तर से उपलब्ध कराई जानी है।

अतः उपरोक्त प्रस्ताव में लगाई गई आपत्तियों का निराकरण कर निराकरण आख्या ई०डी०एस० के माध्यम से एवं हार्ड कॉपी में इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें ताकि सूचना ऑनलाईन उच्च स्तर को प्रेषित की जा सके।

संलग्नक :- उपरोक्तानुसार

संवेदीय,

(डॉ दिवाकर सिन्हा)
प्रभागीय वनाधिकारी,
चक्राता वन प्रभाग, चक्राता।
२६/८/१५

कार्यसंयोग में सम्बन्धित युनानी कृति उत्तराखण्ड, देवदास इन।

गुरु गुरु

प्राचीन विद्या के अधिकारी तथा विद्यालयों के प्रबोधकों के बीच एक विशेष सम्बन्ध रहा है। इसका उत्तराधिकारी विद्यालय ने इसकी विशेषता का अध्ययन किया है।

四

३८५

अस्ति तत् त्वं तत् त्वं अस्ति तत् त्वं

وَالْمُؤْمِنُونَ هُمُ الْأَوَّلُونَ مَنْ يَعْمَلُ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ يَرَهُ

ପାତ୍ରବିଦ୍ୟା